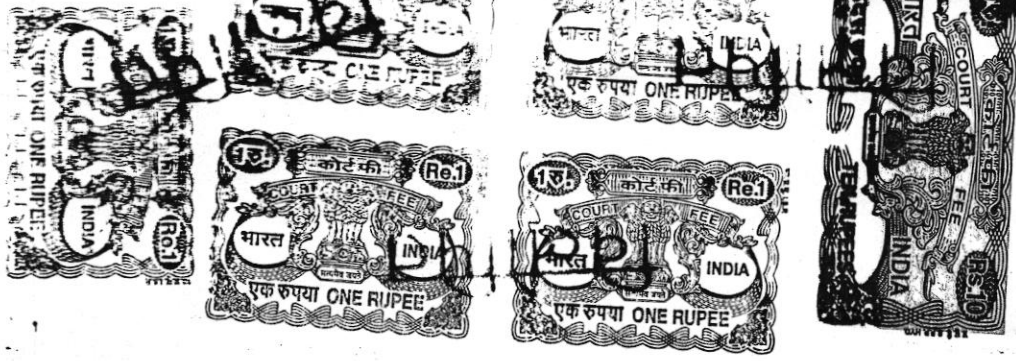


398



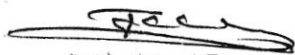
न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक

12018 निगरानी R-2553-114

- १- बाबूलाल, | पुत्रगण सखनलाल जाटव
- २- सुरेन्द्र, |
- ३- वासुदेव, |
- ४४ मुस० रम्मा देवा सखन लाल,

श्री. रमण कृष्णकाव्य, अतिरिक्त निवासी गण ग्राम वांतरी, तेहसील कैलारस,  
ताम आज दि 12-8-14 को  
प्रस्तुत  
जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) ।

  
रक 12-8-14  
मध्यप्रदेश न्यायालय

५- मुस० कमला पुत्री सखनलाल पत्नी सियाराम,  
निवासिन ग्राम मकंगरौल, तेहसील सवलगाढ़,  
जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) ।

६- मुस० रामपती पुत्री सखनलाल पत्नी मुन्नालाल,

७- मुस० शकुन्तला पत्नी गनेश,

८- मुस० गीता पत्नी रामजीलाल,

निवासी गण ग्राम पचोखरा, तेहसील जांरा  
जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) ।

९- मुस० रमा पुत्री सखनलाल पत्नी प्रेमचन्द्र,  
निवासिन ग्राम विरावली तेहसील जांरा,  
जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) ।

१०- कु० मीनू पुत्री सखन निवासिन ग्राम वांतरी,  
तेहसील कैलारस जिला मुरैना

----- प्राथमिण

विरुद्ध

१- श्रीया पुत्र रतनू जाटव, निवासी ग्राम वांतरी,  
तेहसील बे कैलारस, जिला मुरैना-म०प्र० ।

२- मुस० किन्ती पुत्री रतनू, पत्नी रन्धीर जाटव,

निवासी ग्राम पचोखरा तेह० जांरा, मुरैना-

----- प्रतिप्राथमिण

नगरानी बिराह्द आदेश एस०डी०ओ० महोदय, सबलाह  
जिला मुरना दिनांकी २८-६-१४ अन्तर्गत धारा ५० मध्यप्रदेश  
मुराज्जव संहिता १९५६। प्र०क्र० १६ १७। १२-१३ अपील ।

श्रीमान् जी,

नगरानी का आवेदन पत्र निम्नानुसार है :-


- १- यह कि, एस०डी०ओ० महोदय की आज्ञा कानूनन सही नहीं है ।
- २- यह कि, एस०डी०ओ० महोदय ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा है ।
- ३- यह कि, एस०डी०ओ० महोदय के समक्ष प्रतिप्राथी क्र० १ द्वारा प्रस्तुत अपील सरासरी अवधि वालय थी । अपील को समयावधि में मानने में मूल की गई है ।
- ४- यह कि, अभिलेख से यह तथ्य प्रमाणित है कि नगराज्जव न्यायालय का आदेश सहमति के आधार पर पारित किया गया है तथा प्रतिप्राथी क्रमांक ने आदेश में अपनी सहमति दी है तथा उसे आदेश की जानकारी आदेश के दिनांक से ही है ऐसी स्थिति में विलम्ब सूत्रमा किया जाना न्यायोचित नहीं है ।
- ५- यह कि, कानूनन सहमति के आधार पर पारित आदेश के बिराह्द अपील वर्जित होने से अपील प्रथम दृष्टया ही निरस्ती योग्य है ।
- ६- यह कि, एस०डी०ओ० महोदय ने प्राथी की वापसियों पर विचार किये बिना ही मात्र अनुमानों एवं तकनीकी आधारों पर अपील को समयावधि में मान्य किये जाने में मूल की है ।

## राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - ग्वालियर

## अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - निगरानी-2553-एक/14

जिला - मुरैना

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
05-12-18	<p>आवेदक की ओर से अधिवक्ता श्री एस.के. अवस्थी उपस्थित। आवेदक की ओर से यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी के आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध सुनवाई कलेक्टर द्वारा की जाना है। अतः यह प्रकरण सुनवाई हेतु कलेक्टर को भेजा जाता है। उभयपक्ष प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 24-4-19 को कलेक्टर, जिला मुरैना के समक्ष उपस्थित हों।</p> <p style="text-align: right;">   <b>प्रशासकीय सदस्य</b> </p>	